दिगंत

ई-पत्रिका :अप्रैल-2022

‘नैक’ प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:अप्रैल- 2022

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

प्राचार्य की कलम से.........

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की त्रिवेणी प्रवाहित करने के दिव्य संकल्प के साथ वर्ष 1969 में स्थापित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ई–पत्रिका दिगंत के नवीन संस्करण का प्रकाशन कर रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के उद्‌देश्य से श्री गुरू गोरक्षनाथ मन्दिर ने सन् 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। वर्तमान में यह परिषद हमारे परम् पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शहर के हृदय स्थल में स्थित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर अपने संस्थापको द्वारा देखे गये शैक्षिक पुनर्जागरण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में निरन्तर संकल्पबद्ध है। इस संस्था का उद्‌देश्य ऐसे योग्य, चरित्रवान एवं समर्पित आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है, जिनके द्वारा भारतीय संस्कृति के सनातन आध्यात्मिक मूल्यों एवं परम्पराओं को निरन्तर सम्पोषित एवं संवर्द्धित करते हुए एक सशक्त, समर्थ एवं समृद्ध राष्ट्र की स्थापना का स्वप्न साकार हो सके। हमारा संकल्प है कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा की विरासत के प्रकाशन से पुनः विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित हो सके। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में सतत, प्रयत्नशील इस महाविद्यालय ने विगत वर्ष नैक प्रत्यायन में B++ ग्रेडिंग प्राप्त की है और मेरा विश्वास है कि प्रत्यायन के अगले चरण में महाविद्यालय को निश्चित रूप से A+ ग्रेड प्राप्त महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जायेगा। शिक्षण एवं अनुशासन इस महाविद्यालय की गौरव गाथा का कीर्ति स्तम्भ है। पठन–पाठन के अतिरिक्त यह संस्था विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरन्तर अकादमिक, सामाजिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों, परिचर्चाओं, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की दृष्टि से महाविद्यालय की एक समृद्ध परम्परा रही है। महाविद्यालय के पुरातन छात्रों एवं अभिभावकों के अनुभवों एवं संस्था की बेहतरी के लिए समय–समय पर प्राप्त सुझावों एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होते हुए यह संस्था आज गोरखपुर शहर के एक श्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में जानी जाती है। हमने 'स्वच्छ भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों के साथ–साथ प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए अनुकूल वातावरण, हरे–भरे स्वच्छ परिसर की स्थापना का प्रयास किया है।

मेरा विश्वास है कि शिक्षा वह प्रकाशपुंज है जिसके आलोक से प्रकाशित होते हुए व्यक्ति एवं समाज दोनो ही राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते है और जीवन में आने वाली बड़ी से बड़ी चुनौतियों का धैर्य पूर्वक सामना कर सकते हैं। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा के माध्यम से भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों, विचारों एवं महान सांस्कृतिक परम्पराओं के उन्नयन, सम्पोषण एवं संवर्द्धन की दिशा में सतत प्रयत्नशील हो, यही मेरी हार्दिक इच्छा है और शुभकामना भी।

प्रो.ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	आयोजक विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	02.04.2022 शनिवार	महाविद्यालय	सनातन नववर्ष के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन	1
2.	07.04.2022 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	निःशुल्क स्मार्टफोन का वितरण	1
3.	09.04.2022 शनिवार	बी.एड.	शैक्षिक प्रदर्शनी व विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन	2
4.	12.04.2022 मंगलवार	बी.एड.	बी.एड. प्रशिक्षुओं ने डायट भ्रमण कर जानी डायट की कार्यप्रणाली	3
5.	13.04.2022 बुधवार	बी.एड.	शैक्षिक भ्रमण	4
6.	18.04.2022 सोमवार	शारीरिक शिक्षा	छ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन	4
7.	19.04.2022 मंगलवार	शारीरिक शिक्षा	कार्यशाला का द्वितीय दिवस	5
8.	20.04.2022 बुधवार	शारीरिक शिक्षा	कार्यशाला का तृतीय दिवस	6
9.	21.04.2022 वृहस्पतिवार	शारीरिक शिक्षा	कार्यशाला का चतुर्थ दिवस	6
10.	22.04.2022 शुक्रवार	शारीरिक शिक्षा	कार्यशाला का पंचम दिवस	7
11.	23.04.2022 शनिवार	शारीरिक शिक्षा	सप्तदिवसीय कार्यशाला का समापन	7
12	27.04.2022	रोवर्स / रेंजर्स	पांच दिवसीय रोवर्स / रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन	8

सनातन नववर्ष के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन

दिनाँक 02 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय में चैत्र नवरात्र एवं नव वर्ष विक्रम संवत 2079 के पावन अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने सभी प्रध्यापक गण एवं कर्मचारियों को नव वर्ष एवं चैत्र नवरात्र की बधाई देते हुए कहा कि इसका प्रारंभ सम्राट विक्रमादित्य ने किया था, जो चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरु होता है। आज हिंदू नववर्ष 2079 या विक्रम संवत 2079 का प्रारंभ हुआ है, हिंदू नववर्ष को विक्रम संवत, नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा, उगाड़ी आदि नामों से भी जाना जाता है। विक्रम संवत के प्रथम दिन से ही बसंत नवरात्रि का प्रारंभ होता है, जो चैत्र नवरात्रि के नाम से भी लोकप्रिय है।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री पवन कुमार पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में नि:शुल्क स्मार्टफोन का वितरण

दिनाँक 07 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय में तकनीकी सशक्तिकरण के लिए डिजिशक्ति योजना के अन्तर्गत नि:शुल्क स्मार्टफोन का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. यू.पी. सिंह, अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद थे। महाविद्यालय में तकनीकी सशक्तिकरण के लिए नि:शुल्क स्मार्टफोन से लाभान्वित विद्यार्थीयों को प्रो. यू.पी.सिंह ने बधाई दिया।

विशिष्ट अतिथि श्री प्रमथनाथ मिश्र प्रभारी दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज ने विद्यार्थियों के स्मार्टफोन वितरित करने के साथ ही अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में 52.07 प्रतिशत युवा है जिनका नेतृत्व एक यशस्वी एवं ऊर्जावान युवा मुख्यमंत्री कर रहे है। विद्यार्थियों को शासन द्वारा स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित किया जा रहा है जिससे सभी विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर अपनी बौद्धिक क्षमता का विकास कर सकेगें।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा में तकनीकी के महत्व को समझते हुए ही उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने **'निःशुल्कस्मार्टफोन/टैबलेट वितरण योजना'** के माध्यम से युवाओं में स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित कराकर युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। इस बदलते परिवेश में विद्यार्थीयों को कौशल विकास एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।

महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. परीक्षित सिहं ने बताया कि इस योजना का प्रारम्भ 25. दिसम्बर 2021 इकाना इंटरनेशनल स्टेडियम लखनऊ में विद्यार्थियों को स्वयं मुख्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा सुशासन दिवस के अवसर पर स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित करके किया गया। इसी क्रम में 30 दिसम्बर को महन्त दिग्विजयनाथ पार्क, गोरखपुर में 101 तथा 16 फरवरी को महाविद्यालय में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को 178 टैबलेट वितरित किया गया। आज पुनः महाविद्यालय में अध्यनरत बी.एड., बी.ए., बी.एससी., बी.काम. के अन्तिम वर्ष के 1105 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरित किया गया।

बी.एड. विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी व विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 09 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सरिता पाण्डेय शिक्षा शास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने फीता काटकर शैक्षिक प्रदर्शनी का उदघाटन किया। प्रदर्शनी में बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं द्वारा शैक्षिक, सामाजिक व पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर मॉडल एवं चार्ट प्रस्तुत किए गए। विशिष्ट अतिथि, महाविद्यालय

के प्राचार्य एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा अवलोकन करते हुए प्रस्तुतियों के विषय से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये तथा मूल्यांकन करते हुए प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया गया। द्वितीय सत्र में विशिष्ट अतिथि ने 'बी.एड. पाठ्यक्रम में क्रियात्मक गतिविधियों की उपादेयता' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में रचनात्मकता की वृद्धि व नेतृत्व क्षमता, सहयोग की भावना, अभिवृत्ति की क्षमता आदि विकसित होती है।

बी.एड. प्रशिक्षुओं ने डायट भ्रमण कर जानी डायट की कार्यप्रणाली

दिनांक 12 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग के प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण एवम अवलोकन किया।

इस अवसर पर डायट के प्राचार्य डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह ने बी. एड. प्रशिक्षुओं को डायट की संरचना एवम कार्यप्रणाली से अवगत कराते हुए डायट के संगठन पर प्रकाश डाला । उन्हेंने डी.एल.एड. पाठ्यक्रम की उपादेयता से परिचित कराते हुए उसकी प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया एवम मूल्यांकन प्रणाली से अवगत कराया तथा प्रशिक्षुओं को एक आदर्श शिक्षक बनने हेतु प्रेरित किया । इसी क्रम में डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता श्री अभिषेक पाण्डेय ने प्रशिक्षुओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बी.एड. प्रशिक्षण की उपादेयता पर प्रकाश डाला तथा समय प्रबंधन करते हुऐ कैसे अपने अभीष्ट लक्ष्य को प्राप्त करें इस हेतु उचित मार्गदर्शन दिया ।

वरिष्ठ प्रवक्ता श्री धनंजय कुमार सिंह ने सरकारी विद्यालयों की समस्याओं से अवगत कराते हुए उसके समाधान के उपाय सुझाए ।

शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

दिनांक 13 अप्रैल, 2022 को महाविद्यालय के बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत प्रशिक्षुओं को कुशीनगर का भ्रमण कराया गया ।

जहां प्रशिक्षुओं ने महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल का दर्शन किया। प्रशिक्षुगण विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मंदिरों का भ्रमण कर गौतम बुद्ध के जीवन से परिचित होते हुए शैक्षिक, ऐतिहासिक एवम सांस्कृतिक जानकारी हासिल की। बौद्ध संग्रहालय का भ्रमण करते हुए विद्यार्थियों ने प्राचीन कलाकृति, नमूनों, धातु की कलाकृति एवं सिक्कों, लिपियों तथा भगवान बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित विवरण को भी देखा। प्रशिक्षुओं ने रामकोला स्थित विश्व दर्शन मन्दिर का भी भ्रमण किया।

छ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
विषय : स्वस्थ जीवन शैली

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु योग : स्वस्थ जीवन शैली विषय पर 18 से 23 अप्रैल 2022 तक 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन 18 अप्रैल 2022 को प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. अश्वनी राय थे। उन्होंने प्रेसिडेन्ट आयुर्वेद 'योग एवं आध्यात्म' विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते

हुए कहा कि योग भारतीय जीवन शैली का एक अहम हिस्सा रहा है। जिसके माध्यम से हम अपने अंतःकरण को निर्मल और स्वच्छ बनाते हैं जिससे हमारा भावनात्मक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

द्वितीय सत्र में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने योगासन करने वाले विद्यार्थियों को योगासन के महत्व को बताये। श्री शुक्ला के निर्देशन में लगभग 45 विद्यार्थियो ने विभिन्न योगासन का अभ्यास किया।

कार्यशाला का द्वितीय दिवस
विषय-योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

दिनांक 19 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय गोरखपुर के पूर्वी परिसर में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा योग : स्वस्थ जीवन शैली विषय पर छः दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन पहले सत्र में मुख्य अतिथि डॉ विनीत शर्मा पूर्व मुख्य चिकित्सक आरोग्य मन्दिर, गोरखपुर थे, उन्होंने प्रशिक्षुओं को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व से अवगत कराया। स्वस्थ जीवन शैली में इसके महत्वपूर्ण योगदान को स्पष्ट करते हुए इसे दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक विज्ञान के प्रभारी डॉ. रामलाल गडिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग डॉ संजय सिंह एवम डॉ सुभाष चन्द्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के योग प्रशिक्षु एवम अन्य शिक्षक, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यशाला का तृतीय दिवस
विषय - स्वस्थ जीवन शैली में आयुर्वेद का महत्व

दिनांक 20 अप्रैल को महाविद्यालय गोरखपुर में कार्यशाला के तीसरे दिन के पहले सत्र में मुख्य अतिथि डॉ अनुराधा मणि शुक्ल ने प्रशिक्षुओं को स्वस्थ जीवन शैली में आयुर्वेद के महत्व से अवगत कराया। स्वस्थ जीवन शैली में इसके महत्वपूर्ण योगदान को स्पष्ट करते हुए इसे दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा संकाय की प्रभारी डॉ गीता सिंह ने किया।

कार्यशाला का चतुर्थ दिवस
विषय-योग एवं एक्यूप्रेशर का स्वस्थ जीवन शैली में महत्व

दिनांक 21 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय में कार्यशाला के चौथे दिन के पहले सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, एक्यूप्रेशर शोध प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज रहे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्वस्थ जीवन शैली में एक्यूप्रेशर के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया की टखने के दर्द, घुटने के दर्द, कमर के दर्द को किस बिंदु पर दबाव देकर ठीक किया जा सकता है और मर्म चिकित्सा के बारे में भी बच्चों को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र के सहायक प्राध्यापक श्री विवेकानंद शुक्ला ने किया।

कार्यशाला का पंचम दिवस
विषय-अष्टांग योग

दिनांक 22 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय गोरखपुर, कार्यशाला के पॉचवे दिन के पहले सत्र में मुख्य वक्ता श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने प्रशिक्षुओं को अष्टांग दर्शन और व्यक्ति के निर्माण में इसकी भूमिका को स्पष्ट करते हुए स्वस्थ जीवन शैली में इसके महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉक्टर सुभाष चंद्र ने किया। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा के प्रभारी श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के योग प्रशिक्षु एवम अन्य शिक्षक, कर्मचारी गण उपस्थित रहे हैं।

कार्यशाला का समापन
विषय - योग एक प्राचीन धरोहर

दिनांक 23 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय गोरखपुर, पूर्वी परिसर में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा योगः स्वस्थ जीवन शैली विषय पर छः दिवसीय कार्यशाला के छ्ठे दिन के पहले सत्र में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह थे। उन्होनें प्रशिक्षुओं को योग दर्शन, योग का जीवन में महत्व, योग और योगा में अंतर तथा योग के प्रकार आदि पहलुओं पर अपने विचार रखते हुए और व्यक्ति के निर्माण में इसकी भूमिका को स्पष्ट करते हुए स्वस्थ जीवन शैली में इसके महत्व से अवगत कराया।

पांच दिवसीय रोवर्स/ रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

दिनांक 27 अप्रैल 2022 महाविद्यालय में रोवर्स/ रेंजर्स का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी के द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम स्काउट गाइड झंडारोहण तथा स्काउट गाइड प्रार्थना एवं स्काउट गाइड झंडा गीत के साथ हुआ। सम्मानित अतिथियों ने झंडे को सलामी दिए। उद्घाटन कार्यक्रम में सभी सदस्यों का स्वागत रोवर्स/ रेंजर्स द्वारा स्कार्फ पहनाकर किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षीय उद्बोधन में रेंजर प्रभारी श्रीमती जागृति विश्वकर्मा जी ने कहा कि रोवर्स /रेंजर्स मुख्य रूप से सेवा कार्य को प्राथमिकता देता है। यह सेवा तीन रूपों व्यक्तिगत, परिवार, तथा देश सेवा के रूप में होता है। इन्हीं सेवा से संबंधित विभिन्न कार्यों को मनुष्य सीखता है, इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त श्रीमती इशरत सिद्दीकी एवं सहयोगी प्रशिक्षक जिला संगठन आयुक्त श्री सत्यानंद शर्मा जी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार रोवर्स प्रभारी डॉ संजीत कुमार सिंह जी के द्वारा हुआ, इन्होंने कहा कि नवयुवकों को पूर्ण शारीरिक मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक क्षमता का विकास करना है, वे एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी क्षमताओं के द्वारा स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगदान कर सकें।